माँ शारदा आरती

हे शारदे! कहाँ तू बीणा बजा रही है।
किस मंजुज्ञान से तू जग को लुभा रही है॥

किस भाव में भवानी तू मग्न हो रही है।
विनती नहीं हमारी क्यों मात सुन रही है॥

हम दीन बाल कब से विनती सुना रहे हैं।
चरणों में तेरे माता हम सिर नवा रहे हैं॥

अज्ञान तुम हमारा माँ शीघ्र दूर कर दे।
द्रुत ज्ञान शुभ्र हम में माँ शारदे तू भर दे॥

बालक सभी जगत के सुत मात है तिहारे।
प्राणों से प्रिय तुझे है हम पुत्र सब दुलारे॥

हमको दया मयी ले गोद में पढ़ाओ।
अमृत जगत का हमको मां शारदे पिलाओ॥

हृदय रुपी पलक में करते है आहो जारी।
हर क्षण ढूंढते है माता तेरी सवारी॥

मातेश्वरी तू सुन ले सुन्दर विनय हमारी।
करके दया तू हरले बाधा जगत की सारी॥

[1]

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल